



भाषा-ज्ञान

1. रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) मुझे पिता जी की मार का डर था।

मुझे माता जी की मार का डर था।

(ख) मैंने अपने नौकर के जेब-खर्च में से कुछ पैसे चुराए थे।

मैंने अपनी नौकरानी के जेब-खर्च में से कुछ पैसे चुराए थे।

(ग) राजा ने साधु को प्रणाम किया।

रानी ने साधु को प्रणाम किया।

(घ) वह सेठ बहुत उदार है।

वह सेठानी बहुत उदार है।

(ङ) अध्यापक ने हमें ज्ञान की बातें बताईं।

अध्यापिका ने हमें ज्ञान की बातें बताईं।

2. 'कि' अथवा 'की' लगाकर वाक्य पूरे कीजिए।

(क) मैंने मन में तय किया कि अब मैं चोरी नहीं करूँगा।

(ख) मेरी चोरी करने की बात से उन्हें तकलीफ पहुँचेगी।

(ग) मैंने वचन दिया था कि भविष्य में मैं कभी चोरी नहीं करूँगा।

(घ) प्रेम की इस अनुभूति को वे ही समझ सकते हैं।

(ङ) मैं समझता हूँ कि ऐसा मेरी स्पष्ट स्वीकारोक्ति के कारण हुआ।

3. इन मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) हृदय रोना - _____

(ख) झर-झर आँसू बहना - _____

4. वे शब्द जो संस्कृत भाषा से हिंदी में आए हैं और ज्यों के त्यों प्रयोग होते हैं, तत्सम कहलाते हैं।

जैसे- कर्म, उच्च आदि।

जो शब्द संस्कृत के तत्सम शब्दों के बदले हुए रूप हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं।

जैसे- काम, ऊँचा आदि।

तत्सम-तद्भव शब्दों को रेखा खींचकर मिलाइए।

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
1- मस्तक	आँसू ④
2- पत्र	पिता ⑥
3- अक्षि	माथा ①
4- अश्रु	आँख ③
5- स्वर्ण	भाई ⑦
6- पितृ	सोना ⑤
7- भ्रातृ	पत्ता ②

5. विलोम शब्द लिखिए।

प्रेम	×	दुःखा
धन	×	निर्मय
अपराध	×	निरपराध
पाप	×	पुण्य

नाराज	×	खुश
शांत	×	अशांत
स्वीकार	×	अस्वीकार
स्पष्ट	×	अस्पष्ट

मूल्याधारित प्रश्न

(Values & Life Skills)

- गांधी जी की आत्मकथा का यह अंश पढ़कर आपको कैसा लगा?
- आपसे कोई गलती होने पर आप क्या करते हैं?

